

(67)

न्या यालय श्रीमान् राजत्व मण्डल ग्रा. लियर सॉर्कट कॉर्ट रीवा, झज्जा रीवा म.पु.



R5250/16

Rs.30/-

- 1- बहंतला ल पिता श्री बाल्मीकि पुसाद मिश्रा
- 2- रामेश्वर पुसाद मिश्रा पिता श्री बाल्मीकि पुसाद मिश्रा
- 3- हूरुण पुसाद मिश्रा पिता श्री बाल्मीकि पुसाद मिश्रा
- 4- रामेश्वर पुसाद मिश्रा पिता श्री बाल्मीकि पुसाद मिश्रा
- 5- फैब्रिण मिश्रा पिता श्री लेला र पुसाद मिश्रा

सर्वी निवासी ग्राम बैज्ञाथ, तहसील हुजूर, झज्जा रीवा म.पु.

— आधेक गण

बनाम

- 1- जगन्नाथ गढ़ीखा पिता पिधा रे गढ़ीखा, सारिज बैज्ञाथ तह. हुजूर थाना
पारेरहदा झज्जा रीवा म.पु.

— अतावेदक

श्रीमान् रीवा रीवा
कारा आज दिनांक 6-6-16
प्रमाणित किया गया।

फैब्रिण
सर्किट कोर्ट रीवा

निगरानी चिर स आदेश रा. जल्प निरीक्षा यहोदय

सर्किट तकुहां, ग्राम पु. कु. 73/3-12/15 -

2016 आदेश दिनांक 30.5.2016

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म.पु. कूरा जिल्हे

संहिता 1959 इर्ष्या।

मान्यवर,

निगरानी के आधार निम्न है :-

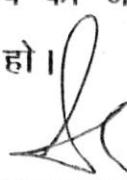
- 1:- एक विद्युत अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय विधिपूर्विया एवं
वैसीजिक न्याय के विषयीत होने से निरस्त योग्य है।

रामेश्वर पुसाद

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक निगो 5250—दो/15

जिला — रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
13-7-17	<p>आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। अनावेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। चूंकि आवेदक आवेदक अभिभाषक पिछली पेशी पर उपस्थित थे, तथा इस पेशी पर अनुपस्थित है इसलिए प्रकरण अदम पैरवी में खारिज होना चाहिए चाहिए, परन्तु न्याय प्रदान करने की दृष्टि से प्रकरण का निराकरण निगरानी मेमो एवं उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर किया जा रहा है। आवेदक द्वारा यह निगरानी राजस्व निरीक्षक सर्किल बनकुइयां के प्रकरण क्रमांक 73/अ-12/15-16 में पारित आदेश दिनांक 30-5-16 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2— अनावेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के संदर्भ में प्रकरण में उपलब्ध आदेश की प्रति एवं अन्य दस्तावेजों का अवलोकन किया। सीमांकन पंचनामे से आवेदक का सीमांकन कार्यवाही से प्रभावित होना प्रथमदृष्टया परिलक्षित नहीं होता है। ऐसी स्थिति में आवेदक की ओर से प्रस्तुत निगरानी पर विचार किया जाना वैधानिक दृष्टि से उचित नहीं है। उपरोक्त विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में यह निगरानी आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p>   <p>(एस०एस० अली) सदस्य</p>	